RAJYA SABHA

Tuesday, *the 26th June,* 1962/the *5th Asadha,* 1884 (Safca)

The House met at eleven of the dock, MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत का भाग लेना

*३२३. **श्री राम सहाय** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९६१ में भारत ने उन ७२ अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों में से, जिनका वह सदस्य है, कितनों में भाग लिया ;

(ख) क्या भाग लेने वाले प्रतिनिधियों ने अपने प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिये हैं ; और

(ग) क्या इन प्रतिवेदनों में कोई खास सुझाव दिये गये हैं ?

t [INDIA'S PARTICIPATION IN INTERNATIONAL ORGANISATIONS

•323. SHRI RAM SAHAI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of International Organisations in which India participated in 1961 tout of 72 International Organisations of which she is a member;

(b) whether the participating representatives have submitted their reports; and

(c) whether any special suggestions have been made in the reports?]

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विनेश सिंह) : (क) से (ग) सूचना इकट्ठी की जा रही है और प्राप्त होते ही सदन की मेज पर रख दी जाएगी ।

f [THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH): (a) to (c) The information is being collected and will be placed on the Table of the House as soon as it is available.]

श्री राम सहाय : क्या मैं यह जान सकूंगा कि ये जो ७२ अन्तर्राष्ट्रीय संगठन हैं उनको बढ़ाने का विचार है या वहीं तक सीमित रखने का विचार है ?

श्री दिनेश सिंह : इनको घटाना बढ़ाना हमारे हाथ में नहीं है । जब अन्तर्राष्ट्रीय रूप से कमेटी बनाने की जरूरत पड़ती है तब उस वक्त] बनाई जाती है । हमारे सामने अभी कोई नई कमेटी बनाने का सवाल नहीं है ।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया : यह जो जानकारी अभी तक नहीं आ पाई है क्या बाहर से मंगाई गई । यह प्रश्न तो सन् १९६१ से संबंध रखता है और जहां तक मेरा अनुमान है यह आपके कार्यालयों से इस तरह की जानकारी आनी चाहिये थी तो उस में इतना विलम्ब क्यों हो गया है ?

श्री दिनेश सिंह : माननीय सदस्य जानते हैं कि यह जो सवाल है वह अन्तर्राष्ट्रीय संस्था के बारे में पूछा गया है और इसका संबंध केवल विदेश मंत्रालय से ही नहीं है । मिसाल के तौर पर पिछले साल १६ ऐसी कान्फ्रेंसेज हुई थीं जिन में विदेश मंत्रालय का संबंध केवल एक से ही था । यह जो सवाल पूछा गया है उसका संबंध और मंत्रालयों से है और उन से इस बारे में खबर मालूम की जा रही है ।

شری اے - ایم - طارق : میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ ان ۷۲ انٹرنیشنل آرگنائزیشنوں میں سے ایسی کتنی ہیں جنکی نوعیت مستقل ہے یعنی جو

ہمیشہ رہتی ہیں - اور کتنی ایسی ہیں جو فیرمستقل ہیں -

†[**श्री ए० एम० तारिक :** मैं यह जानना चाहता हूं कि इन ७२ इन्टरनेशनल आर्गेनाईजेशनों में से ऐसी कितनी हैं जिनकी नौईयत मुस्तकिल है यानी जो हमेशा रहती हैं और कितनी ऐसी हैं जो गैर मुस्तकिल हैं।

श्री जवाहरलाल नेहरू : इस तरह की कमेटियां यकायक नहीं बनाई जा सकती हैं। जैसा कि मेरे साथी ने बतलाया कि टैक्नीकल और साइन्टिफिक की कई कमेटियां साल में बनती रहती हैं और हम उस के अक्सर मेम्बर होते हैं। ये कमेटियां कभी साल में, दो साल में, तीन साल में और पांच साल के अर्से में मिलती हैं। इस तरह की बहुत सी आरजी होती हैं। कुछ ऐसी होती हैं जिन की पालिटिकल शक्ल होती है जैसे यूनेस्को, यू० एन० ओ० और एफ० ए० ओ० ये सब मुस्तकिल हैं।

राष्ट्रीय बचत योजना के प्रचार के लिये धातु के रंगीन कलेण्डर

*३२४. **श्री राम सहाय :** क्या **सूचना तथा प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि राष्ट्रीय बचत योजना के प्रचार के लिये जनवरी-फरवरी, १९६२ में उनके मंत्रालय का धातु के ७०,००० रंगीन कलेण्डर तैयार करने का जो विचार था क्या वे तैयार हो गये हैं; और यदि हां, तो उनका उपयोग किस प्रकार किया गया है ?

t[COLOURED CALENDARS OF METAL FOR NATIONAL SAVINGS SCHEME PUBLICITY

♦324. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state whether the 70,000 coloured calendars of metal which were proposed to be prepared by his Ministry in January-February, 1962 for National Savings Scheme publicity have since been prepared; and if so, in what manner they have been utilized?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ) : जी, नहीं। प्रश्न के पिछले भाग का सवाल नहीं उठता।

{[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SHAM NATH) : No, Sir. The latter part of the question does not arise.]

श्री राम सहाय : क्या ऐसा कोई कलेन्डर तैयार करने का आपके मंत्रालय का विचार नहीं है, तैयार नहीं हो रहा है, क्या मैं ऐसा समझ सकता हूं ?

श्री शाम नाथ : ऐसी बात नहीं है। हमारा अब भी कलेन्डर तैयार करने का विचार है लेकिन वह, आया मैटिल का हो या कागज का हो, इस के बारे में अभी फैसला नहीं हो सका है क्योंकि फायनेन्स मिनिस्ट्री और नेशनल सेविंग कमिश्नर का भी इस में हाथ है। इसलिये इस फैसले में जरा देर हो रही है।

श्री राम सहाय : क्या मैं जान सकता हूं कि क्या इस बात का अन्दाजा लगाया गया है कि अगर मैटिल का तैयार होगा तो उसकी कितनी लागत होगी और अगर कागज का तैयार होगा तो उसकी कितनी लागत होगी ?

श्री शाम नाथ : इसके लिए नोटिस की जरूरत है और इस वक्त मेरे पास इस चीज की इन्फारमेशन नहीं है।